Result Mitra Daily Magazine

प्रीमैरिटल जेनेटिक टेस्टिंग

चर्चा में क्यों ?

- संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की गवर्नमेंट ने हेल्थ को लेकर एक बड़ा फैसला किया है।
- UAE के हेल्थ डिपार्टमेंट ने 'प्रीमैरिटल जेनेटिक टेस्टिंग' को शादी करने से पहले कपल्स के लिए अनिवार्य कर दिया है।
- 1 अक्टूबर 2024 से लागू,

-

क्या है मामला ?

- UAE सरकार ने कहा कि उन्होंने यह फैसला आने वाली पीढ़ियों के हित में लिया है।
- शादी से पहले 'जेनेटिक टेस्टिंग' कराने से कपल्स की जेनेटिक हेल्थ का पता लगाया जा सके, जिससे जेनेटिक डिसऑर्डर बच्चों में पास ऑन न हो।

जेनेटिक टेस्टिंग :

- एक प्रकार का मेडिकल टेस्ट,
- इसके जरिए जीन, क्रोमोसोम्स, प्रोटीन में हुए परिवर्तन का पता लगाया जा सकता है।
- इस टेस्ट से तीन बड़ी चीजों की जानकारी प्राप्त होती है –

1. किसी व्यक्ति को कोई संदिग्ध जेनेटिक कंडीशन है या नहीं।
2. भविष्य में जेनेटिक डिसऑर्डर विकसित होने की कितनी संभावना है।
3. किसी व्यक्ति के जरिए बच्चों में जेनेटिक डिसऑर्डर पास ऑन होने की कितनी संभावना है।

Note - मौजूदा समय में 77,000 से अधिक जेनेटिक टेस्टिंग हो रही है।

अनुवांशिकता :

- माता-पिता से मिलने वाले गुण
- माता-पिता से हमें खास DNA सीक्वेंसिंग या क्रोमोसोम्स की संरचना प्राप्त होती है।
- इसमें मौजूद जीन से ही हमारा रंग, रूप, बनावट, आदतें तय होती है।

Result Mitra TM

- यह सब कुछ जीन का एक्सप्रेशन है अर्थात जीन में कुछ डिफेक्ट या म्यूटेशन है तो वह आने वाली पीढ़ियों में पास ऑन हो जाता है।
- इससे बच्चों में बहुत सी बीमारियां या मुश्किलें हो सकती है।
- ज्यादातर मामलों में इनका कोई इलाज नहीं होता और शिशु की मौत हो जाती है।

दुनिया के किन देशों में प्रीमैरिटल जेनेटिक टेस्टिंग अनिवार्य :

- जेनेटिक बीमारियां हेल्थ केयर सिस्टम के लिए लंबे समय से चुनौती बनी हुई है।
- जैसे-जैसे इन बीमारियों पर वैज्ञानिकों की रिसर्च आगे बढ़ी, हमें समझ आया कि जेनेटिक बीमारियां निर्यात नहीं है, इन्हें रोकना हमारे हाथ में है।
- इसे लेकर दुनिया के बहुत से देशों ने नियम बनाए।
- जहां इस तरह की बीमारियों का अनुपात बहुत अधिक था, वहां शादी से पहले प्रीमैरिटल जेनेटिक टेस्टिंग अनिवार्य की गई।

प्रीमैरिटल जेनेटिक टेस्टिंग क्यों जरूरी है ?

- यदि माता-पिता में से किसी एक में गंभीर जेनेटिक कंडीशन है, तो बच्चों में उसके पास ऑन होने की संभावना बढ़ जाती है।
- यदि माता-पिता दोनों में जेनेटिक कंडीशन हुई तो बच्चे को जेनेटिक डिसऑर्डर होने की आशंका 50% तक बढ़ जाती है।

Result Mitra TM